सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 694
02/09/2017

बिहार को आगे ले जाने के लिये शराब मुक्त, नशा मुक्त, दहेज मुक्त, बाल विवाह मुक्त समाज बनाना है :– मुख्यमंत्री

पटना, 02 सितम्बर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन सह संघ के संस्थापक अध्यक्ष स्व0 रामलखन प्रसाद गुप्त, पूर्व सांसद की 92वीं जयंती समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्व0 रामलखन प्रसाद गुप्त के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मैं अध्यक्ष बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ श्री गंगा प्रसाद जी को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया। मैं स्व0 रामलखन प्रसाद गुप्त के प्रति सम्मान प्रकट करता हूँ। उन्होंने कहा कि दानवीर, सूर्यवीर भामाशाह की प्रतिमा को पटना तथा स्व0 रामलखन प्रसाद गुप्त की प्रतिमा को मुँगेर में लगाने की बात हुयी थी। उन्होंने कहा कि पटना के पुनाईचक पार्क में दानवीर, सूर्यवीर भामाशाह की प्रतिमा तथा मुँगेर किला के जयप्रकाश पार्क में स्व0 रामलखन प्रसाद गुप्त की प्रतिमा लगायी जायेगी, इस हेतु आदेश निर्गत हो चुका है। प्रतिमा को स्थापित करने का निर्देश भवन निर्माण विभाग को दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा स्थापित होने के बाद हम सब उसका अनावरण भी करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में व्यवसायी वर्ग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार में आने के बाद हमने शुरू से बिहार को विकास के रास्ते पर ले जाने की कोशिश की है। हमने बिहार में न्याय के साथ विकास लाने की कोशिश की है ताकि सभी तबके, बिहार के सभी क्षेत्रों का विकास हो, सभी लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून का राज है, यही कारण है कि बिहार का विकास दर आज दो अंकों में है। यह देश के विकास के औसत दर से ज्यादा है, इसमें पूरे बिहारवासियों की भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जी0एस0टी0 नई एवं अच्छी कर प्रणाली है। हम शुरू से ही इसके पक्षधर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उपभोक्ता राज्य हैं, पहले कई तरह के कर जो हमें नहीं मिलते थे, अब मिलेगा। साथ ही इसमें कोई इधर–उधर नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि व्यवसायी वर्ग में जी0एस0टी0 के प्रति गलत–फहमी नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि हमने शुरू से आपकी कठिनाइयों को कम करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी खाद्यान्न के बोरे का बिक्री के बाद इस्तेमाल के संबंध में एक शिकायत मिली थी। हमने पूरे मामले की जानकारी ली, यह बताया गया कि हर साल इस्तेमाल किये गये बोरे पर अलग–अलग मार्क होता है। पिछले साल के बोरे के इस्तेमाल पर आपको कोई परेशान नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि पहले बाजार समिति का जो कानून बना हुआ था, सभी को बाजार कर देना पड़ता था। उन्होंने कहा कि बिहार पहला एवं अकेला राज्य है, जिसने इस कानून को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि बाजार समिति के प्रांगण की स्थिति ठीक नहीं है। बाजार समिति के प्रांगण की मरम्मति की जरूरत है। कृषि विभाग को इस संदर्भ में दिशा–निर्देश दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवसाय के विकास पर शराबबंदी लागू होने का बड़ा प्रभाव पड़ा है। कुछ लोगों को छोड़कर सभी लोग शराबबंदी के पक्षधर हैं। उन्होंने कहा कि लोग कहते थे कि शराबबंदी से सरकार को पॉच हजार करोड़ का नुकसान होगा। यह एक पहलू है, सरकार का पॉच हजार करोड़ का राजस्व अगर आता था तो लोगों का कम से कम दस हजार करोड़ रूपये शराब में बर्बाद हो जाता था। गरीब लोग की गाढ़ी कमाई शराब में बर्बाद हो जाती थी। परिवार में अशांति था, महिलायें घरेलू हिंसा की शिकार थी। बच्चे पढ़ नहीं पाते थे, आज शराबबंदी लागू होने के पश्चात लोगों का वह पैसा बच गया है, जिसको वे बेहतर काम में खर्च कर रहे हैं। अच्छा खाना खाते हैं, अच्छे कपड़े पहनते हैं। उन्होंने कहा कि सभी चीजों की बिक्री बढ़ गयी है, व्यापार बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी लागू होने के बाद सरकार के राजस्व में मामूली कमी आयी है, इस बार देखियेगा, वह भी भर जायेगा और हम आगे बढ़ जायेंगे। उन्होंने कहा कि शराबबंदी समाज सुधार की दिशा में उठाया गया बहुत बड़ा कदम है। पहले गॉव का क्या माहौल था, आज माहौल बेहतर हो गया है। विकास और तरक्की के लिये बेहतर माहौल जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज देश के कोने–कोने में इसकी मॉग हो रही है। हम शराबबंदी से नशामुक्ति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसका पूरी कड़ाई के साथ पालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सामाजिक बदलाव की बुनियाद को और आगे बढ़ायेंगे। समाज की कुरीतियॉ दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ भी सशक्त अभियान चलेगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के कारण स्वास्थ्य संबंधित काफी समस्यायें उत्पन्न हो रही है, इसमें एक प्रमुख चीज है बौनेपन की समस्या। उन्होंने कहा कि दहेज पहले सम्पन्न लोगों के बीच प्रचलित था, अब समाज के सभी वर्गों में प्रचलित है, इसे समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के जन्मदिन 2 अक्टूबर 2017 से पूरे बिहार में दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ सशक्त अभियान चलायेंगे, इसमें आप सभी का समर्थन चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम दृढ़ता के साथ अपना काम करते हैं। हमने भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं किया है और न ही करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज से भ्रष्टाचार समाप्त होगा, तभी बिहार आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। उन्होंने बकरीद पर्व के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकाश पर्व के सफल आयोजन से देश एवं विदेश में बिहार की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इस बार भी प्रकाश उत्सव उसी तरह मनायेंगे। यह होगा तो बिहार की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि बिहार को आगे ले जाने के लिये शराब मुक्त, नशा मुक्त, दहेज मुक्त, बाल विवाह मुक्त समाज बनाना है। बिहार में आयी बाढ़ के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में भयंकर बाढ़ आयी, इसकी कल्पना नहीं थी। उस संकट की घड़ी में तत्काल राहत पहुॅचाने के लिये दूरभाष पर प्रधानमंत्री जी से बातचीत हुयी। प्रधानमंत्री जी द्वारा तत्कालीन राहत उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को सुबह साढ़े दस बजे हमारी बातचीत हुयी और तीन से चार बजे अपराह्न के बीच तीन से चार एन0डी0आर0एफ0 की टीम पूर्णिया पहुॅच गयी थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आये थे, उनके साथ हमने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि चिन्ता नहीं कीजिये, हम हर तरह की मदद करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में व्यापक स्तर पर बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य किये गये। लोगों के लिये कम्युनिटी किचेन यानी लंगर, राहत शिविर चलाया गया। लोगों को सूखा राशन, फूड पैकेट, हर तरह की सामग्री दी गयी है। अब बाढ़ प्रभावित लोगों को नकद अनुदान छह हजार रूपये प्रति परिवार आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से भेजना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत के लिये राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन के बजट से दो हजार करोड़

रूपये अतिरिक्त राहत मद में वितरण के लिये आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला अधिकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमाम परिवार के लोगों के प्रति हमारी संवेदना है, जिनके परिजन इस बाढ़ के कारण मृत हुये। उन्होंने कहा कि प्रकृति सबसे बड़ी ताकत है। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ नहीं करना चाहिये। लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेत रहना चाहिये, आप सभी लोग पेड़ जरूर लगायें।

आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ की तरफ से एक लाख 51 हजार रूपये तथा लखीसराय चेम्बर ऑफ कॉमर्स की तरफ से 51 हजार रूपये का चेक मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को सौंपा गया। बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ की तरफ से मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार सहित अन्य अतिथियों प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव, महापौर पटना नगर निगम श्रीमती सीता साहू, अध्यक्ष बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ श्री गंगा प्रसाद चौरसिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधान पार्षद श्री सुमन महासेठ, विधायक श्री संजीव चौरसिया, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा सहित बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ के सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

****